

**न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश, ग्वालियर**

प्रकरण क्रमांक

12017-18 निगरानी

निगरानी-4223/2018/मुर्का/भूरा

रामनारायण पुत्र लहरि रावत, निवासी ग्राम-  
सुईर बावड़ी (क्टर) तहसील सकलगढ़,  
जिला मुर्ना (मध्यप्रदेश)।

----- प्राथी

बिराध

महिला पुरी वैवा सुरेश रावत, निवासिन  
ग्राम बावड़ी (क्टर) तहसील सकलगढ़,  
जिला मुर्ना (मध्यप्रदेश)।

----- प्रतिप्राथी

निगरानी बिराध आदेश कलेक्टर महोदय मुर्ना क्रमांक 22-6-18,  
अन्तर्गत धारा 10 मध्यप्रदेश मू-राजस्व संविदा, 1844/1909- 1। 17-18  
स्व0 नि0।

श्रीमान् जी,

निगरानी का प्राथी-पत्र निम्न आधारेण पर प्रस्तुत है:

- 1- यह कि, कलेक्टर महोदय की आज्ञा कानून सही नहीं है।
- 2- यह कि, कलेक्टर महोदय ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा है।
- 3- यह कि, कलेक्टर महोदय ने समझा प्रकरण की प्रकृतियों का के सम्बन्ध में जो आपत्तियां प्राथी ने की है, उनका न तो विवादित आदेशद्वारा निराकरण ही किया गया है और न ही विवादित आदेश में उनका उल्लेख ही किया गया है, इसी स्थिति में पारित आदेश निरस्ती योग्य है।
- 4- यह कि, कलेक्टर महोदय ने प्राथी के प्राथी पत्र को निरस्त किये जाने का कोई कारण भी विवादित आदेश में उल्लेख नहीं


श्री 37220 को का  
द्वारा आज दि. 2-7-18 को  
प्रस्तुत। प्रारम्भिक वर्क को  
दिनांक 18-7-18 मियत।  
वैवा  
क्लक ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल, म.प्र. ग्वालियर

*(Handwritten signature)*

## राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - ग्वालियर

## अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - निगरानी-4223/2018/मु.न।/भू.रा.

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
19-12-18	<p>आवेदक की ओर से अधिवक्ता श्री एस.के. अवस्थी उपस्थित। आवेदक की ओर से यह निगरानी कलेक्टर के आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत कलेक्टर द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध सुनवाई आयुक्त द्वारा की जाना है। अतः यह प्रकरण सुनवाई हेतु आयुक्त को भेजा जाता है। उभयपक्ष प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 24.4.19 को आयुक्त चंबल संभाग मुरैना के समक्ष उपस्थित हों।</p> <p style="text-align: right;">   <b>प्रशासकीय सदस्य</b> </p>	